संस्कृत–विभाग
सी. एम. पी. महाविद्यालय, प्रयागराज
पाठ्यक्रम
बी. ए. प्रथम वर्ष

क्र.सं.	ग्रन्थ	ग्रन्थकार
1.	अभिज्ञानशाकुन्तलम्	महाकवि कालिदास
2.	किरातार्जुनीयम्	महाकवि भारवि
3.	नीतिशतकम्	भर्तृहरि
4.	लघुसिद्धान्तकौमुदी (संज्ञा–प्रकरण)	आचार्य वरदराज
5.	छन्दोऽलंकारसौरभम्	अभिराज डॉ. राजेन्द्र मिश्र
6.	प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी	डॉ. कपिलदेव द्विवेदी

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (कालिदास)– व्याख्याकार– डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायणलाल विजयकुमार प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. किरातार्जुनीयम् (भारवि)– व्याख्याकार– श्री समीर शर्मा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
3. नीतिशतकम् (भर्तृहरि)– व्याख्याकार– डॉ. तारिणीश झा, रामनारायणलाल विजयकुमार प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी (वरदराज)– व्याख्याकार– डॉ. आद्या प्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
5. छन्दोऽलंकारसौरभम् (अभिराज डॉ. राजेन्द्र मिश्र)– व्याख्याकार– अभिराज डॉ. राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
6. प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी– (डॉ. कपिलदेव द्विवेदी)– व्याख्याकार– विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

संस्कृत– बी0 ए0 –प्रथमवर्ष

प्रथम–प्रश्नपत्र

पूर्णाङ्क–75

अभिज्ञानशाकुन्तलम्–

इकाई 1–हिन्दी–अनुवाद 10×2=20

इकाई 2– संस्कृत व्याख्या 10 × 1 = 10

संस्कृत छाया 04

इकाई 3 (क) समालोचनात्मक प्रश्न 06

(ख) नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दों पर टिप्पणी 5 × 2 = 10

इकाई–4 साहित्यदर्पण से निम्नलिखित अलंकारों का लक्षण एवम् उदाहरण सहित परिचय– 15

अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति , सन्देह, भ्रान्तिमान्, व्यतिरेक, अपह्नुति, प्रतिवस्तूपमा, दृष्टान्त, अर्थान्तरन्यास, तुल्ययोगिता, दीपक, विभावना, विशेषोक्ति, विरोधाभास, परिसंख्या।

इकाई–5– निम्नलिखित छन्दों का लक्षण एवम् उदाहरणसहित परिचय– 10

अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा , उपजाति, द्रुतविलम्बित, वंशस्थ, वसन्ततिलका, मालिनी, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, शार्दूलविक्रीडित, आर्या।

द्वितीय–प्रश्नपत्र

किरातार्जुनीयम् (प्रथमसर्ग)

पूर्णाङ्क–75

इकाई–1– हिन्दी अनुवाद 8 × 2 = 16

इकाई–2 (क) संस्कृत–व्याख्या 8 × 1= 08

(ख) समालोचनात्मक प्रश्न = 06

नीतिशतकम् (श्लोक संख्या 1 से 30 तक)

इकाई–3– हिन्दी अनुवाद 10 × 1 = 10

संस्कृत–व्याख्या 10 × 1 = 10

लघुसिद्धान्तकौमुदी (संज्ञा–प्रकरण)

इकाई–4 – प्रत्याहार, उच्चारण एवं प्रत्यय ज्ञान, सूत्रों की व्याख्या पर विशेष बल। = 15

इकाई–5– हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद – 10

संस्कृत–विभाग
सी. एम. पी. महाविद्यालय, प्रयागराज
पाठ्यक्रम
बी. ए. द्वितीय वर्ष

क्र.सं.	ग्रन्थ	ग्रन्थकार
1.	कादम्बरी (कथामुखम्)	महाकवि बाणभट्ट
2.	मेघदूतम्	महाकवि कालिदास
3.	वैदिकसूक्त संग्रह	डॉ. विजय शंकर पाण्डेय (व्याख्याकार)
4.	कठोपनिषद्	डॉ. आद्याप्रसाद मिश्र (व्याख्याकार)
5.	लघुसिद्धान्तकौमुदी (सन्धि–प्रकरण)	आचार्य वरदराज
6.	संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास	डॉ. कपिलदेव द्विवेदी

1. कादम्बरी (कथामुखम्) (बाणभट्ट)– व्याख्याकार– डॉ. तारिणीश झा / डॉ. आद्याप्रसाद मिश्र।
2. मेघदूतम् (कालिदास)– व्याख्याकार– डॉ. तारिणीश झा, रामनारायणलाल विजयकुमार प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. वैदिकसूक्त– व्याख्याकार– डॉ. विजय शंकर पाण्डेय, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. कठोपनिषद्– व्याख्याकार– डॉ. आद्याप्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी (वरदराज)– व्याख्याकार– डॉ. आद्या प्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास– व्याख्याकार– डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायणलाल विजयकुमार प्रकाशन, इलाहाबाद।

संस्कृत–बी0 ए0 –द्वितीयवर्ष

प्रथम–प्रश्नपत्र

पूर्णाङ्क–75

कादम्बरी कथामुखम् (केवल गद्यभाग–प्रभातवर्णन पर्यन्त)

इकाई–1– गद्यांशों का हिन्दी अनुवाद 8 × 2 = 16

इकाई–2–(क) संस्कृत व्याख्या 8 × 1 = 08

(ख) समास (पाठ्यग्रन्थ से) 2 × 2 = 04

इकाई– 3– कादम्बरी से सम्बन्धित समालोचनात्मक प्रश्न। 7 × 1 = 07

इकाई– 4– मेघदूतम् – पूर्वमेघ (श्लोक संख्या 1 से 30 तक)

(क) हिन्दी अनुवाद 8 × 1 = 08

(ख) संस्कृत–व्याख्या 7 × 1 = 07

इकाई 5 – (क) वैदिक वाङ्मय का संक्षिप्त परिचय (प्रश्न एवं टिप्पणियाँ) – 10

(ख) लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास (बीसवीं सदी पर्यन्त) –

महाकाव्य, खण्डकाव्य, गद्यकाव्य, चम्पू, नाटक, जन्तुकथा आलोचनात्मक प्रश्न एवं टिप्पणि़याँ। 15

द्वितीय–प्रश्नपत्र

पूर्णाङ्क – 75

इकाई एक, दो एवं तीन = 30

वैदिकसूक्त –

विश्वेदेवासूक्त, (ऋ01.89), विष्णुसूक्त (ऋ01.54), इन्द्रसूक्त (ऋ02.12), प्रजापति सूक्त (ऋ0 10.121) पुरुषसूक्त (ऋ010.90), वाक्सूक्त (ऋ0 10.125) एवं शिवसंकल्पसूक्त (शुक्लयजुर्वेद अध्याय 34, कण्डिका 1–6)–

हिन्दी–अनुवाद, सूक्त सारांश एवं व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ।

इकाई4– कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय)

हिन्दी–व्याख्या, आलोचनात्मक प्रश्न/पारिभाषिक शब्दों पर टिप्पणियाँ। 20

इकाई 5 – लघुसिद्धान्तकौमुदी – (सन्धिप्रकरण)

1–सूत्रों की व्याख्या 5 × 2 = 10

2–सन्धि के उदाहरणों की साधनिका 5 × 3 = 15

संस्कृत–विभाग
सी. एम. पी. महाविद्यालय, प्रयागराज
पाठ्यक्रम
बी. ए. तृतीय वर्ष

क्र.सं.	ग्रन्थ	ग्रन्थकार
1.	साहित्यदर्पण	आचार्य विश्वनाथ
2.	उत्तररामचरितम्	महाकवि भवभूति
3.	तर्कसंग्रह	अन्नंभट्ट
4.	श्रीमद्भगवद्गीता	गीताप्रेस (प्रकाशन)
5.	ईशावास्योपनिषद्	डॉ. उर्मिला श्रीवास्तव (व्याख्याकार)
6.	लघुसिद्धान्तकौमुदी (समास–प्रकरण)	आचार्य वरदराज
7.	सिद्धान्तकौमुदी (कारक–प्रकरण)	भट्टोजिदीक्षित
8.	(क) वाच्यपरिवर्तन (ख) सन्, क्यच्, णिच्, क्यङ्, क्यप्, क्विप् प्रत्ययों का व्यावहारिक ज्ञान। (ग) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद	

1. साहित्यदर्पण (आचार्य विश्वनाथ)– व्याख्याकार– अभिराज डॉ. राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. साहित्यदर्पण (आचार्य विश्वनाथ)– व्याख्याकार– डॉ. कमला देवी, प्रयाग पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
3. उत्तररामचरितम् (भवभूति)– व्याख्याकार– डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायणलाल विजयकुमार प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. तर्कसंग्रह (अन्नंभट्ट)– व्याख्याकार– आचार्य शेषराज शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
5. श्रीमद्भगवद्गीता– गीताप्रेस, गोरखपुर।
6. ईशावास्योपनिषद्– व्याख्याकार– डॉ. उर्मिला श्रीवास्तव, साहित्यभण्डार, इलाहाबाद।
7. लघुसिद्धान्तकौमुदी (समास–प्रकरण) (आचार्य वरदराज)– व्याख्याकार– डॉ. गिरिजा शंकरशास्त्री/डॉ. बाबूलाल मिश्र, साहित्य भण्डार, इलाहाबाद।
8. सिद्धान्तकौमुदी (कारक–प्रकरण) (भट्टोजिदीक्षित)– व्याख्याकार– डॉ. आनन्द कुमार श्रीवास्तव/डॉ. राममुनि पाण्डेय, अनुराग प्रकाशन, इलाहाबाद।

संस्कृत–बी0 ए0 तृतीयवर्ष

प्रथम–प्रश्नपत्र

पूर्णाङ्क – 75

इकाई 1 एवं 2 –

साहित्यदर्पण (प्रारम्भ से तृतीय परिच्छेद की 28 वीं कारिका तक) 25

इकाई 3–

उत्तररामचरितम् (तृतीय अंक पर्यन्त)

हिन्दी अनुवाद, संस्कृत–व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न। 25

इकाई 4 –

नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दों पर टिप्पणियाँ (केवल अर्थप्रकृतियाँ कार्यावस्थाएँ एवं सन्धियाँ) 15

इकाई 5– संस्कृत में निबन्धलेखन। 10

द्वितीय–प्रश्नपत्र

पूर्णाङ्क – 75

इकाई 1 एवं 2 – तर्कसंग्रह 25

इकाई 3 एवं 4 – श्रीमद्भगवद्गीता (अध्याय 2 एवं 3) 25

इकाई 5 – ईशावास्योपनिषद् 25

तृतीय–प्रश्नपत्र

पूर्णाङ्क – 75

इकाई 1 एवं 2 –

लघुसिद्धान्तकौमुदी (समास–प्रकरण) 30

इकाई –3 –

सिद्धान्तकौमुदी (कारक–प्रकरण) 20

इकाई –4

(क) वाच्यपरिवर्तन 05

(ख) सन्, क्यच्, णिच्, क्यङ्, क्यप्, क्विप् प्रत्ययों का व्यावहारिक ज्ञान। 10

इकाई 5 –

हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद 10